डॉ0 बी0 आर0 ए0 राजकीय महिला स्ना0 महा0, फतेहपुर

रिपोर्ट

एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के द्वारा ''देखो अपना देश'' के अन्तर्गत वेबिनार की श्रृंखला का आयोजन

भारतीय सांस्कृतिक विविधता के रंग, एकता के संग

Date:- 01.07.2020

Time:- 11.00 A.M.

Veneu:- Zoom App

Youtube Link:- https://youtu.be/bgxZxh0fsnE

Topic:- ''भारतीय पारम्परिक गीतों, नृत्यों एवं वाद्य यंत्रों की प्रासंगिकता''

डॉ0 बी0 आर0 ए0 राजकीय महिला स्ना0 महा0, फतेहपुर के एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ के तत्वाधान में ''देखो अपना देश'' के अन्तर्गत वेबिनार की श्रृंखला के आयोजन में आज ''भारतीय पारम्परिक गीतों, नृत्यों एवं वाद्य यंत्रों की प्रासंगिकता'' विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति श्रीमती प्रियंका पाण्डेय, लखनऊ के द्वारा डांस फार्म के रूप में की गयी । महाविद्यालय प्राचार्य एवं पैटर्न डा0 अपर्णा मिश्रा के द्वारा मुख्य अतिथि डा0 एच0पी0 सिंह, संयुक्त निदेशक उ0 शि0 उ0 प्र0 एवं समस्त आगन्तुको का स्वागत करते हुये वेबिनार के आज के विषय पर चर्चा करते हुये कहा कि संगीत से जुडी तमाम विधाओं में प्रत्येक विधा मनुष्य और समाज के लिये आवश्यक है। संगीत भाषा से परे है जो भी कर्ण प्रिय लगे वह अपने आप समझ में आ जाता है। उन्होने प्रतिभाग कर रहे विभन्न भाषाओं के प्रदेशों से जुडे मुख्य वक्ता एवं तमाम रिसोर्स परसनस को वेबिनार में सम्मिलित होकर अपने ज्ञान के प्रवाह से ओत–प्रोत करने के संकल्प की सराहना की। वेबिनार की विषय वस्तु डा0 प्रतिमा गुप्ता, आर्गेनाईजिंग सेक्रेटरी एवं नोडल अधिकारी एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ ने प्रस्तुत करते हुए कहा कि वेबिनार का संकल्पित मंत्र भारतीय सांस्कुतिक विविधता के रंग, एकता के संग ही आज के विषय के मूल में है। संगीत एक जादू है जो किसी भी प्रकार या भाषा में सुना जाये वह मन को आनन्दित करता है। आज का विषय इन्ही सब बातों पर श्रोताओं एवं दर्शकों की मूल भावना को अहलादित करने के प्रयास का एक कम है। आज के उद्धाटन सत्र की मुख्यवक्ता श्रीमती सुचरिता

गुप्ता वर्सेटाईल आर्टिस्ट, वारानसी, उ0प्र0 ने अपने उद्बोधन एवं लोक गीतों के गायन से समस्त प्रतिभागियों को झूमने पर विवश कर दिया। आसाम, उ0प्र0, बंगाल एवं अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से संबन्धित गीतों चैती, कजरी, आल्हा, लोक धुनों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होने कहा कि लोक गीत या लोक धुनें सहज सरल एवं बन्धनों से मुक्त होती है। जो आम जन मानस की समझ की सीमा के अन्दर अपना प्रभाव प्रदर्शित करती है। उनके अनुसार मनुष्य के जीवन का हर पल या हर संस्कार लोक गीतों एवं लोक नृत्यों के सयोजन का पुलिन्दा है। कृषि कार्यो या मेहनत के कामों में लोक गीतों का प्रयोग किसानों या कामगारों को आन्नदित करते हुये काम की थकान को कम करने में सहायक है। उनके गाये कई लोक गीतों में हल सम्भयालयों हाईयों और ओ मांझी चालियो जाओं ने सभी श्रोताओ एवं दर्शकों के मन को प्रसन्न कर दिया।

इस वेबिनार के मुख्य अतिथि डा0 डा0 एच0पी0 सिंह, संयुक्त निदेशक उ0 शि0 उ0 प्र0 ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवश 31 अक्टूबर 2015 को राष्ट्रीय एकता दिवश के अवसर पर भारत के प्रधानमंत्री के द्वारा राष्ट्र की एकता अखंडता को और अधिक सुदृढ करने के लिये एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान को आरम्भ करते हुये राज्यों को एक दूसरे के सांस्कुतिक एवं सामाजिक पहलुओं को अध्ययन करने एवं अपने सांस्कृतिक व्यवस्थाओं में उन्हे खोजने की बात कही। वेविनार के सयोंजक डा0 रमेश बाबू ने उद्धाटन सत्र में सम्मिलित समस्त आगन्तुको को धन्यवाद दिया। आज के वेबिनार के संचालन का कार्य डा0 सरिता गुप्ता ने किया। वेबिनार के प्रथम तकनीकी सत्र की रिसोर्स परसन डा0 आरती मिश्रा, मिजोरम केन्द्रिय विश्वविद्यालय ने मिजोरम के लोक नृत्यों पर पावर प्वाईन्ट के जरिये विस्तृत चर्चा की। अरूनांचल प्रदेश से गोगे बाम गायक कलाकार ने अपने प्रदेश के लोगों के जन्म, विवाह एवं लोक से विदा में गाये जाने वाले लोक गीतों को गाकर एवं उनके बारे में चर्चा कर आज के कार्यक्रम को जीवन्त कर दिया। इस सत्र में चेयर परसन डा0 गुलसन सक्सेना ने सभी आये हुये आगन्तुको को घन्यवाद देते हुये चर्चा का सार प्रस्तुत किया। द्वितीय तकनीकी सत्र में रिसोर्स परसन के रूप में सम्मिलित श्री बुद्धहाफरांग लिंगदोह, सेंट एन्थेनी कालेज, शिलांग ने पावर प्वाईन्ट के जरिये मेघालय पदेश के आदिवासी लोगो के द्वारा विभिन्न अवसरों पर गाये एवं प्रयोग किये जानेवाले लोक गीत, लोक नृत्य एवं लोक वादृय यंत्रों के बारे में गंभीर एवं सार पूर्ण चर्चा की। उन्होने कई लोक वादय यांत्रों को बजा कर प्रदर्शित भी किया। इसी सत्र में महाराना प्रताप महाविद्यालय, मोहनिया, बिहार से डा0 अनामिका सिह ने जम्मू एवं कश्मीर राज्य के लोक वादय यंत्रों को पावर प्वाईन्ट के जरिये प्रदर्शित करने के साथ ही उनके प्रयोग एवं बनावट पर विस्तृत चर्चा की। इस सत्र में डा0 रेखा वर्मा ने सभी आगन्तुको को धन्यवाद देते हुये सत्र के सारगर्भित विचार रखे। इस अवचर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

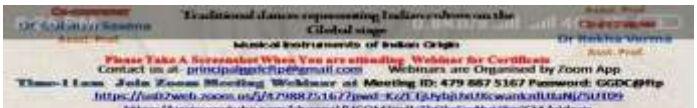

डा0 बी0आर0ए0 राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, फतेहपुर
एक भारत श्रेष्ठ भारत प्रकोष्ठ
"देखो अपना देश"
भारतीय सांस्कृतिक विविधता के रंग, एकता के संग
राष्ट्रीय वेबिनार्स की श्रृंखला का आयोजन
Chief Patron
Dr Vandana Sharma
Director Higher Education U.P.
Organising Secretary
Dr Pratima Gupta
Co-convener
Dr Gulshan Saxena
Asstt. Prof.
RELEVANCE OF INDIAN TRADITIONAL SONGS, DANCES AND MUSICAL INSTRUMENTS
Date: 01st July 2020
उपविषय
Tradition of folk songs in the development of Indian culture
Traditional dances representing Indian culture on the Global stage
Musical Instruments of Indian Origin
Patron
Dr Aparna Mishra
Principal
Convener
Dr Ramesh Baboo
Coordinator
Dr Sarita Gupta
Asstt. Prof.
Co-convener
Dr Rekha Verma
Asstt. Prof.
Please Take A Screenshot When You are attending Webinar for Certificate
Webinars are Organised by Zoom App
Schedule
01st July 2020
Inaugural session – 11.00 Am to 12.30 Pm
Saraswati Vandana – Mrs. Priyanka Pandey, Lucknow (Dance)
Welcome Address- Dr Aparna Mishra, Patron & Principal
Theme Presentation- Dr Pratima Gupta, Organising Secretary/ Nodal Officer EBSB
KEY NOTE ADDRESS- MRS. SUCHARITA GUPTA, A VERSATILE ARTIST, VARANASI
Address of Chief Guest- Dr H. P. Singh, Joint Director (Higher Education) UP
Vote of Thanks – Dr Ramesh Baboo, Convener
Rapporteur – Shri Basant Kumar Maurya

Traditional dances representing Indian culture on the Global stage
Musical Instruments of Indian Origin
Please Take A Screenshot When You are attending Webinar for Certificate
Webinars are Organised by Zoom App
Schedule
Inaugural session – 11.00 Am to 12.30 Pm
Saraswati Vandana – Mrs. Priyanka Pandey, Lucknow (Dance)
Welcome Address- Dr Aparna Mishra, Patron & Principal
Theme Presentation- Dr Pratima Gupta, Organising Secretary/ Nodal Officer EBSB
KEY NOTE ADDRESS- MRS. SUCHARITA GUPTA, A VERSATILE ARTIST, VARANASI
Address of Chief Guest- Dr H. P. Singh, Joint Director (Higher Education) UP
Vote of Thanks – Dr Ramesh Baboo, Convener
Rapporteur – Shri Basant Kumar Maurya
RELEVANCE OF INDIAN TRADITIONAL SONGS, DANCES AND MUSICAL INSTRUMENTS
01st July 2020
First Technical session- 12.30 Pm to 01.30 Pm
Resource Person – Dr. Arati Mishra, Mizoram University (A Central University)
Topic-Glimpses of Dance Form: Mizoram
Presentation of Gogo Bom Artist From Arunachal Pradesh
Question Session
Chair Person Dr Gulshan Saxena, Rapporteur – Dr Ajay Kumar
Second Technical session- 01.30 Pm to 02.30 Pm
Resource Person – Shri Budshaphrang Lyngdoh, St. Anthony's College, Shillong
Resource Person – Dr Anamika Singh, Dept. of Music(Tabla), Maharana Pratap Mahavidyalay Mohania, Bihar
Question Session
Chair Person Dr Meera Pal, Rapporteur – Dr Rekha Verma
Vote of Thanks by Dr Gulshan Saxena
National Anthem

Dr. Pratima Gup...
Shobha Saxena
Shobha sharm...
Sonam verma
Dr. Prashant D...
Ashwin Kumar ...
Dr.GulshanSax...
Dr Sarita Gupta
SUCHARITA GU...
Dr.Anamika sin...
Galaxy Tab A
Dr.Suman Kesh...
Dr Lakshmina...
Naitik Pandya
Basant Rituraj ...
Uttam Shukla
zoom

Chailam dance of the Mizos
Dr. pratima Gu...
www.wildfilmsindia.com
Shobha Saxena
Dr. Prashant D...
Dr. pratima Gup...
Dr.GulshanSax...
Dr. Shakuntla
Sangeeta Mishr...
SUCHARITA GU...
Dr Kanta Kave...
Sonam verma
Galaxy Tab A
Shobha sharm...
Videh Verma
DR ARATI MISH...
QCOM-BTD
Dr Ramesh Bab...
Redmi
ashok kashyap
Dr Sarita Gupta
zoom

zoom

zoom

zoom

देखो अपना देश: वेबिनार की श्रृंखला में आज 'भारतीय पारम्परिक गीतों, नृत्यों एवं वाद्य यंत्रों की प्रासंगिकता

टेंपो व बाइक की भिड़ंत में ०२ घायल

डॉ0 अपर्णा मिश्रा
प्राचार्य